indiavidya.com

सारांशात्मक मूल्यांकन - I
नमूना उत्तर पुस्तिका

विषय : हिंदी द्वितीय भाषा **अंक : 80**

कक्षा : दसवीं **समय : 3 घंटे**

I. अ)
1. हरितनगर राज्य के राजा कुमार वर्मा थे।
2. हरित नगर राज्य हरा-भरा रहता था।
3. राज्य में फसलें सूख गयी।
4. केवल दो ही जीव नदियाँ बची हुई थी।
5. छोटी-छोटी

आ)
1. कन्नौज के राजा हर्षवर्धन थे।
2. महायान संप्रदाय अनेक रूपों में हिंदूवाद से मिलता-जुलता था।
3. हर्षवर्धन ने बौद्ध और हिंदू दोनों धर्मों को बढ़ावा दिया।
4. कन्नौज की राजधानी उज्जयिनी को सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रसिद्ध केंद्र बनाया था।
5. हर्षवर्धन की मृत्यु 648 ई.में हुई थी।

indiavidya.com

इ)
1. अ) सफलता
2. अ) कर्म
3. आ) लक्ष्य
4. आ) सरल
5. अ) सार्थक

ई)
1. अ) अस्तित्व
2. आ) मस्ती
3. अ) आनंद
4. अ) धूल
5. आ) कल

II. अभिव्यक्ति सृजनात्मकता

अ) 1. रैदास की भक्ति भावना निर्गुण है। इनका भगवान निराकार निर्गुण ब्रह्म हैं। इन्होंने भगवान की तुलना अनेक रूपों में की जबकि मीराबाई की भक्ति भावना सगुण हैं।

indiavidya.com

indiavidya.com

इनकी माधुर्य की भक्ति है। इनके भगवान श्रीकृष्ण हैं। इन्होंने राम का कृष्णका अभेद बताया।

2. सावन के बरसनेवाले बादल, बारीश की बूँदे, चकाचौंध करने वाली बिजली, रिमझिम बरसनेवाली बूँदे बहती जल-धाराएँ आदि चीजें मन को छू लेती हैं।
3. ''हाँ, मैं उनको अपना स्वामी मानती हूँ। और मानती रहूँगी। लेकिन उनसे भी अधिक मैं महारानी को अपना स्वामी मानती हूँ और महारानी से भी बढ़कर मैं अपने देश को अपना स्वामी मानती हूँ देश के लिए मैं सरदार को भी ठुकरा सकती हूँ, ठुकरा चुकी हूँ। जूही का कथन मुझे इसलिए अच्छा लगा क्योंकि वह देश की रक्षा के लिए अपने एक एक प्रिय व्यक्ति को भी छोड़ना चाहती है इसलिए देश की रक्षा में अपना स्वामी सरदार को भी ठुकराना चाहती है।
4. हामिद को उम्मीद है कि उसके अब्बाजान रूपये कमाकर लाएँगे। अम्मीजी न बहुत सी अच्छी चीजें लाएँगी। उसके दिल में पूरा विश्वास है, यही प्रकाश पुँज है। उसके भीतर से विश्वास रूपी प्रकाश-पुँजसे बाहर आशा रूपी किरण फूट पड़ती है।

आ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 5 या 6 पंक्तियों में लिखिए।

1. कवि कवितांश में भीष्म पितामह के माध्यम से कुरूक्षेत्र युद्ध से विचलित धर्मराज को समुचित उपदेश देते है। कहते है - हे धर्मराज! कुछ लोग पाप से कुछ लोग भाग्यवाद की आड़ में अनुचित तरीके से धनार्जन करते हैं। प्राकृतिक संपदा सबकी है, न कि मुट्टी भर लोगों की। मानव समाज का भाग्य परिश्रम भुजबल ही है। श्रमिक को सभी नर और सुर गौरव देते है। वही प्राकृतिक संपदा का सर्व प्रथम अधिकारी है। भाग्यवादी शोषक श्रमशक्ति का महत्व, संपत्ति पर श्रम जीवी का समान अधिकार सहज संपदा पर समान अधिकार आदि भी भीष्म के मुँह से कहलाते हैं।

या

हमारे जीवन में भक्ति का बड़ा महत्व है। तुलसीदास के अनुसार संतों की संगीत, भगवान की कथा में अनुराग, गुरूसेवा, भगवान का गुणगान, निष्काम कर्म, विश्व को ईश्वरमय समझना, दूसरों के अपगुणों पर दृष्टिपात नहीं करना और निष्कपट रहना सद्गुण देती है। वह संकल्प की दृढता देती है। वह सांति और आनंद देती है।

2. भारत के राज्यों के राजा विलासित में डूबे जाते हैं, लेकिन वीरंगना लक्ष्मीबाई स्वराज्य प्राप्ति के लिए जूझती है। वे कहते है - देशभक्तों की आवश्यकता है। नूपूरों की झंकार के स्थान पर तोपों का गर्जन होने दो। हमें स्वराज्य लेना है। हमें रणभूमि में मौत से जझूना है। सीधी युद्ध भूमि में जाते समय अंत में कहती है कि स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगें या स्वराज्य की नींव के पत्थर बनेगें। वे सचमुच देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की अद्भुत मिसाल थी।

indiavidya.com

indiavidya.com

या

मैने कई नदियों के दर्शन किए। गोदावरी नदी के दर्शनार्थ उसका जन्मस्थान नासिक त्र्यंबक से निकल पड़ा। इसके दौरान रेल से, बस से, पैदल यात्रा करती पड़ी। नासिक चंबक में गोदावरी का नवजात शिशुरूप है। कालेश्वरम पहुँची तो उसका बाला रूप है। भद्राचलम में उसका कुमारी रूप है। राजमहेंद्री में नवयुवतीरूप है। उसका विराट रूप उसकी छटा का वर्णन कैसे कर सकते है। मैं एकटक देखता ही रहा। उसकी चाल अजगर की तरह और कहीं - कहीं कोडे सांप सी होती है। गोदावरी हमे उपदेश देती है। चैखति-चैखति चलते-रहना चलते रहना। चलते समय गिर जाय तो भी अच्छी तरह चलना सीख लेते है - और आगे विकसित होते है।

3. सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के बेजोड़ कवि माने जाने बाले सुमित्रानंदन पंत का जन्म सन् 1900 अल्मोड़ा में हुआ। साहित्य लेखन के लिए इन्हें 'साहित्य अकादमी' 'सोवियत रूस और ज्ञानपीठ पुरस्कार' दिया गया इनकी प्रमुख रचनाएँ है - वीणा, ग्रंथि, पल्लव गुंजन, युगांत, ग्राम्या, स्वर्ण किरण, कला और बूढ़ा चाँद तथा चिदंबरा आदि। इनका निधन सन् 1977 में हुआ।

या

विष्णु प्रभाकर का जन्म सन् 1912 में हुआ। वे आदर्श प्रिय व्यक्ति थे। इन्हें प्रेमचंद परंपरा का आदर्शोन्मुख यथार्थवादी लेखक कहा जाता है। 'आवारा मसीहा' नामक रचना पर इन्हें 'सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार ने इन्हें 'पदम-भूषण से सम्मानित किया है।

इ) 1. हमें पानी को बरबाद नहीं करना चाहिए। हमें जितना जरूरी है उतने का ही उपयोग करना चाहिए। जलाशयों में नहाना, पशुओं को धोना, कपडे धोना, कूड़ा करकट फेंकना आदि को मना करना है। उनमें कल कारखानों के कचरे का या रासयनिक पानी को प्रदूषित नहीं करना चाहिए। जल में विष मिलानेवाले असामाजिक तत्वों के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए।

2. भक्ति भावना संबंधित कविताः

ऐ मालिक तेरे बंदे हम ऐसे हो हमारे करम
नेकी पर चले और बदी से टले ताके हंसते हुए निकले दम।

indiavidya.com

indiavidya.com

ई) नीचे दिए गए प्रश्नों में से एक का उत्तर दीजिए।

1.

दिनांक 14

हैदराबाद।

प्रिय मित्र,

मैं यहाँ कुशल हूँ। आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ कुशल हो। मैं एक रोचक घटना के बारे में लिख रहा हूँ। मैं एक छोटे बच्चे को नाले में से निकालकर उनके माँ-बाप को सौंप दिया। इस तरह मैंने एक छोटे बच्चे की जान बचायी। वह एक कागज़ की नाव निकालने नाले से प्रयास कर रहा था। तब अचानक वह उसमें गिर पड़ा। तब मैं उधर से जा रहा था। तुरंत उसे मैंने उठाकर बाहर लाया। तुम भी अपनी कोई रोचक घटना के बारे में लिखो।

माताजी एवं पिताजी को मेरा प्रणाम।

तुम्हारा प्रिय मित्र

xxxx

पता

xxxx

द न . 6-117

निवास,

हैदराबाद -59

indiavidya.com

2.

दिनांक 14

हैदराबाद।

प्रेषक

xxxx

दसवीं कक्षा,

सी.वी. निकेतन विद्यालय,

हैदराबाद।

सेवा में,

व्यवस्थापक जी

पुस्तक विक्रेता विभाग,

विद्या बुक डिपो,

हैदराबाद।

indiavidva.com

indiavidya.com

महोदय,

मुझे कुछ पुस्तकों की आवश्यकता है। इसलिए निम्नलिखित पुस्तकें ऊपर दिए गए पते पर वी.पी.पी. के जरिए भेजने की कृपा कीजिए। अग्रिम तौर पर पांच सौ रूपए भेज रहा हूँ। बाकी पैसे वी.पी.पी. के आते ही भेंज दूँगा।

1. सरल हिंदी व्याकरण, भाग - 1-5 प्रतियाँ
2. हिंदी तेलुगु कोस - 5 प्रतियाँ
3. हिंदी निबंध रचना भाग-1 - 3 प्रतियाँ
   भाग-2

आपका विश्वसनीय

xxxx

दसवीं कक्षा, क्रम संख्याः

पता

श्री व्यवस्थापक जी,

पुस्तक विक्रय विभाग

विद्या बुक डिपो

हैदराबाद

indiavidya.com

III. व्याकरणांश

अ)

1. अ) प्र
2. अ) संतोष, हष
3. इ) अतिप्रिय
4. अ) प्रेम
5. इ) सर्व + उत्तम
6. ई) ता
7. ई) जग + अनाथ
8. अ) तो
9. आ) यह तो कोई यान था
10. अ) के
11. ई) शत्रुता
12. इ) असफलता
13. आ) पढ़ता

indiavidya.com

indiavidya.com

14. आ) रीत
15. आ) लोककथा, लोकनृत्य
16. 'अ) वान
17. ई) जाती
18. आ) शताब्दी
19. अ) क्या
20. ई) भारत के वासी

indiavidya.com

indiavidya.com